कृषि विज्ञान केंद्र रामगढ़ में किसानों के बीच प्रधानमंत्री द्वारा किसान सम्मान निधि योजना का 11वीं किस्त जारी करने का सीधा प्रसारण

कृषि विज्ञान केंद्र मांडू रामगढ़ में मंगलवार को किसानों के बीच प्रधानमंत्री द्वारा किसान सम्मान निधि योजना का 11वीं किस्त जारी करने का सीधा प्रसारण का आयोजन किया गया। केंद्र के प्रभारी डॉ दुष्यंत कुमार राघव ने बताया कि यह राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया है इस कार्यक्रम के साथ साथ किसान गोष्ठी एवं किसानों द्वारा उत्पादित किया हुआ सब्जी फल एवं कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा छोटे-छोटे यंत्रों का स्टाल लगाया गया स्टाल को किसानों ने देखा और यंत्रों को अपने खेत में उपयोग करने की बात कही क्योंकि यंत्रीकरण के माध्यम से फसल उत्पादन लागत में कमी आएगी जिससे किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी होगी इस जिला स्तरीय कार्यक्रम को पूर्वाह्न 11.00 बजे राष्ट्रीय कार्यक्रम से जोड़ा गया जिसमें कार्यक्रम में आए किसानों को किसान सम्मान निधि की 11वीं किस्त जारी करने का सीधा प्रसारण दिखाया गया।

कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री जी शिमला से लाइव थे जिसमें माननीय प्रधान मंत्री वीडियोकांफ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर में फैले कुछ लाभार्थियों से भी बातचीत किए। केंद्र में कार्यक्रम के दौरान किसान वैज्ञानिक वार्तालाप एवं किसान संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें किसानों ने वैज्ञानिकों से कृषि की नई तकनीक के बारे में जानकारी तथा फसलों में आ रही समस्याओं के उपाय के बारे में बातचीत की। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ इंद्रजीत ने किसानों को बताया कि स्वयं सहायता समूह, किसान उत्पादक समूह के माध्यम से खेती करने पर लागत में कमी आएगी और बाजार के लिए अधिक से अधिक उत्पाद तैयार होगा जिससे किसानों को जहां मूल्य अच्छा मिलता है उस बाजार में उत्पादन को ले जा करके बेचा जा सकता है कार्यक्रम के अंत में किसानों ने सब्जी उत्पादन फल उत्पादन एवं बाजार से संबंधित समस्याओं के बारे में भी प्रश्नोत्तरी के माध्यम से उसका जवाब सुना साथ ही साथ खरीफ फसलों के लिए खेती की तैयारी एवं प्रजाति का चयन के बारे में

किसानों को बताया गया क्योंकि कभी-कभी किसान प्रजाति का चयन जानकारी के अभाव में नहीं कर पाते हैं। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ धर्मजीत खेरवार ने कहा कि किसानों को आमदनी बढ़ाने के लिए सब्जी उत्पादन के साथ-साथ बागवानी एवं मसाले का भी उत्पादन शुरु करना होगा उन्होंने बताया कि किसान नर्सरी का व्यवसाय करके अपनी आमदनी को बढ़ा सकते हैं क्योंकि नर्सरी आजकल प्रो-ट्रे विधि से टमाटर बैंगन मिर्च का गाछी उत्पादन एवं आम अमरूद नींबू एप्पल बेर इत्यादि का पौधा बनाकर बेच सकते हैं इससे जिले में बागवानी के क्षेत्रफल में वृद्धि होगी। कार्यक्रम के दौरान केंद्र के सनी कुमार, सनी आशीष बालमुचु एवं शशिकांत चौबे के साथ-साथ जिले के विभिन्न गांवों से 900 से अधिक किसानों ने भाग लिया।